



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 515] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 3, 1976/अग्रहायण 12, 1898
No. 515] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 3, 1976/AGRAHAYANA 12, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

ORDER

New Delhi, the 3rd December 1976

S.O. 762(E).—In pursuance of the Note below the Schedule to the Molasses Control Order, 1961 and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 248(E), dated the 25th April, 1973 relating to utilisation of separate fund set up for the erection of storage facilities for molasses, the Central Government hereby makes the following order for regulating the separate funds set up for the erection of storage facilities for molasses, namely:—

1. **Short title, extent and commencement.**—(1) This Order may be called the Molasses Control (Regulation of Fund for Erection of Storage Facilities) Order, 1976.

(2) It shall extend to the areas to which the Molasses Control Order, 1961 applies.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—Words and expressions used but not defined in this Order and defined in the Molasses Control, 1961 shall have the meanings respectively assigned to them in that Order.

3. Maintenance of the funds.—(1) Every sugar factory or khandsari unit located in a State shall set aside the amount specified in the Note below the Schedule to the Molasses Control Order, 1961 and credit the amount so set aside to a separate head of account "Storage Fund for Molasses Account" (hereinafter referred to as the said Account) to be maintained jointly by the management of the sugar factory or khandsari unit and the Molasses Controller or his nominee.

(2) The amount so funded shall be kept in any of the corresponding new banks constituted under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of undertakings) Act, 1970 (5 of 1970).

(3) Within thirty days from the date of commencement of this Order, the management of each sugar factory or khandsari unit shall submit to the Molasses Controller of the State in which the factory or unit is located, a return showing the net amount funded in the said Account upto the date of commencement of this Order, in pursuance of the Order of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 248(E), dated the 25th April, 1973.

(4) For the period subsequent to the period mentioned in sub-paragraph (3), the management of the sugar factory or khandsari unit shall submit to the Molasses Controller a monthly return within ten days of the close of the month, showing the sale of molasses produced by it during the month and the amount credited by the management of the said factory or unit to the said Account during that month.

(5) An annual return (the first return being for the year 1976) showing total production of molasses, sale of molasses and the amount credited to the said Account during the year duly verified and certified as correct by the Chartered Accountants of the sugar factory or khandsari unit shall be submitted to the Molasses Controller within thirty days of the close of the year. The cumulative sale of molasses from the date of commencement of this Order till the close of the year and the amount funded till then shall also be shown in the return.

4. Utilisation of the funds.—(1) (a) The amount credited to the said Account shall not be used by the sugar factory or khandsari unit for any purpose other than the construction or erection of storage facilities for molasses.

(b) Where any amount is intended to be withdrawn from the said Account, the management of the sugar factory or khandsari unit shall submit proposals to the Molasses Controller who shall, after satisfying himself about the proposals, permit the withdrawal.

(2) The Molasses Controller shall fix the storage facility for molasses required by each sugar factory or khandsari unit at a level equivalent to 50 per cent of its average production of molasses during the calendar years 1975 and 1976.

(3) The storage tanks for molasses shall be as per the specifications formulated by the Indian Standards Institution in IS: 5521—1969 or made of pucca covered masonry, as may be decided by the Molasses Controller.

(4) The Molasses Controller shall, in consultation with each sugar factory or khandsari unit, fix a time schedule within which the storage facilities for molasses shall be constructed by the sugar factory or khandsari unit.

(5) In the event of failure to construct the storage facilities within the time schedule referred to in sub-paragraph (4), the Molasses Controller shall have the work executed through the Public Works Department of the Central Government or the State Government or the Building Construction Organisation of the Central Government or the State Government or a private agency; and the management of the sugar factory or khandsari unit shall place such amount as may be required for the work at the disposal of the Molasses Controller.

(6) In the event of a dispute over the amount of money needed for the purpose referred to in sub-paragraph (5), the assessment made by the executing agency shall be binding on the management of the sugar factory or khandsari unit.

(7) The Molasses Controller or any other officer nominated by him in this behalf shall inspect the storage facilities erected by the sugar factory or khandsari unit to satisfy himself that it has been constructed in accordance with the specifications referred to in sub-paragraph (3).

5. Information to be furnished to the Molasses Controller or his nominee.—The management of a sugar factory or khandsari unit shall furnish to the Molasses Controller or his nominee such information as may be required by him with regard to the amount funded separately and the erection of storage facilities for molasses.

[No. L-15021(10)/76-Ch. II]

P. J. FERNANDES, Secy.

रसायन और उर्बरक मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1976

का० आ० 762(अ).—केन्द्रीय सरकार, शीरा नियन्त्रण आदेश, 1961 की अनुसूची के नीचे दिये गए टिप्पण के अनुसरण में और भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मन्त्रालय के का० आ० संख्यांक 248(अ), तारीख 25 अप्रैल, 1973 को अतिष्ठित करते हुए, जिसका सम्बन्ध शीरा के भंडारकरण की सुविधाओं के परिनिर्माण के लिए गठित पृथक निधियों के उपयोग से है, शीरा के भंडारकरण की सुविधाओं के परिनिर्माण के लिए गठित पृथक निधियों का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.—(1) इस आदेश का नाम शीरा नियन्त्रण (भंडारकरण सुविधाओं के परिनिर्माण के लिए निधि का विनियमन) आदेश, 1976 है।

(2) इसका विस्तार इन क्षेत्रों पर है जिन्हें शीरा नियन्त्रण आदेश, 1961 लागू है।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं.—ऐसे शब्द और पद जिनका प्रयोग इस आदेश में किया गया है किन्तु परिभाषित नहीं है और जो शीरा नियन्त्रण आदेश, 1961 में परिभाषित हैं, उनके क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उस आदेश में क्रमशः उनके हैं।

3. निधि का अनुरक्षण.—(1) किसी राज्य में स्थित प्रत्येक शर्करा कारखाना या खांडसारी एकक शीरा नियन्त्रण आदेश, 1961 की अनुसूची के नीचे टिप्पण में विनिर्दिष्ट रकम पृथक रखेगा और इस प्रकार पृथक रखी गई रकम को पृथक शीर्ष "शीरा भण्डारकरण निधि लेखा" में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त लेखा कहा गया है) रखा जायेगा जिसका अनुरक्षण संयुक्ततः शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक तथा शीरा नियन्त्रक या उसके निदेशिती के प्रबन्ध-मण्डल द्वारा होगा।

(2) इस प्रकार निधि में रखी गई रकम बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों वा अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 3 के अर्धन गठित तत्स्थानी नए बैंकों में से किसी में रखी जाएगी।

(3) इस आदेश के प्रारम्भ से तीस दिन के भीतर प्रत्येक शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक का प्रबन्ध-मण्डल, उस राज्य के जिसमें वह कारखाना या एकक स्थित है, शीरा नियन्त्रक को एक विवरणी भेजेगा जिसमें इस आदेश के प्रारम्भ की तारीख तक, भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मन्त्रालय के आदेश का० आ० संख्यांक 248(अ), तारीख 25 अप्रैल, 1973 के अनुसरण में, उक्त लेखा में कुल रकम जमा की गई हो, दिखाई जाएगी।

(4) उप-पैरा (3) में उल्लिखित अवधि के पश्चात् की अवधि के लिए शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक का प्रबन्ध-मण्डल, शीरा नियन्त्रक को मास की समाप्ति से दस दिन के भीतर एक भासिक विवरणी प्रस्तुत करेगा जिसमें मास के दौरान उसके द्वारा उत्पादित शीरे का विक्रय और उस मास के दौरान कारखाने या एकक के प्रबन्ध-मण्डल द्वारा लेखे में जमा की गई रकम दर्शात की जाएगी।

(5) प्रत्येक वर्ष, वर्ष की समाप्ति से तीस दिन के भीतर, नियन्त्रक को एक वार्षिक विवरणी (पहली विवरणी सन् 1976 के लिए होगी) प्रस्तुत की जायेगी जिसमें शीरे का कुल उत्पादन, शीरे का विक्रय, उस वर्ष के दौरान उक्त लेखे में जमा की गई रकम जो उस शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक के बार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा सम्यक् रूप से सत्यापित और प्रमाणित हो कि वह सही है, दर्शात की जाएगी इस आदेश के प्रारम्भ की तारीख से वर्ष की समाप्ति तक शीरे का कुल विक्रय तथा तब तक निधि में जमा की गई रकम भी विवरणी में दर्शात की जाएगी।

4. **निधियों का उपयोग.**—(1) (क) उक्त लेखे में जमा की गई रकम, शर्करा या खांडसारी एकक द्वारा शीरा की भण्डारकरण सुविधाओं के सन्निर्माण या परिनिर्माण से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाई जाएगी।

(ख) जब लेखे से कोई रकम निकालना आशयित हो तब शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक का प्रबन्ध मण्डल शीरा नियन्त्रक को प्रस्थापनाएं प्रस्तुत करेगा जो प्रस्थापनाओं के बारे में अपना समाधान करने के पश्चात् रकम निकालने की अनुज्ञा देगा।

(2) शीरा नियन्त्रक प्रत्येक शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक द्वारा अपेक्षित शीरा भण्डारकरण सुविधाएं नियत करेगा जो 1975 और 1976 के दौरान शीरे के औसत उत्पादन के पचास प्रतिशत के बराबर होगी।

(3) शीरे के भण्डारकरण टैंक, जैसा शीरा नियन्त्रक द्वारा विनिश्चय किया जाए, भारतीय मानक द्वारा आई एस 5521—1969 में दिए गए विनिर्देशों के अनुसार होंगे या पक्के ईंटों के बने हुए ठेके होंगे।

(4) शीरा नियन्त्रक, प्रत्येक शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक के परामर्श से, समयक्रम नियम करेगा जिनके भीतर शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक द्वारा शीरे के भण्डारकरण के लिए भण्डारकरण सुविधाएं सन्निमित की जायेगी।

(5) उप-पैरा 4 में निर्दिष्ट समयक्रम के अनुसार भण्डारकरण सुविधा का सन्निर्माण न किए जाने की दशा में शीरा नियन्त्रक यह कार्य केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के लोक निर्माण विभाग के या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के किसी भवन सन्निर्माण संगठन के या किसी प्राइवेट अधिकरण के माध्यम से करा लेगा और शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक का प्रबन्ध मण्डल इस कार्य के लिए अपेक्षित रकम शीरा नियन्त्रक के नियंत्रणाधीन रखेगा।

(6) उप-पैरा (5) के अधीन कार्य के लिए अपेक्षित रकम की मात्रा पर विवाद होने की दशा में, निष्पादन अधिकरण द्वारा किया गया निर्धारण शर्करा कारखाने या खांडसारी एकक के प्रबन्ध-मण्डल पर आबद्ध कर होगा।

(7) शीरा नियन्त्रक या इस निमित्त उसके द्वारा नामनिर्देशित कोई अन्य अधिकारी अपना यह समाधान करने के लिए शकरा कारखाने या खांडसारी एक्क द्वारा सन्निमित भण्डारकरण-सुविधा उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुसार बनाई गई है, उनका निरीक्षण करेगा।

5. शीरा नियन्त्रक या उनके नाम निर्देशित का प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी.—शकरा कारखाने या खांडसारी एक्क का प्रबन्ध-मण्डल शीरा नियन्त्रक या उसके नाम निर्देशित को ऐसी जानकारी प्रस्तुत करेगा जिसकी अपेक्षा उसके द्वारा पृथक्-पृथक् लेखा क्रम में जमा की गई रकमों तथा शीरा के भण्डारकरण की सुविधाओं के परिनिर्माण की बाबत की जाए।

[सं० ल-15021(10)/76-के०मी०-II]

पो० जे० फर्नांडोज, सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976

